



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 223]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 19, 2000/आश्विन 27, 1922

No. 223]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 19, 2000/ASVINA 27, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 2000

सं. 37 (आर ई-2000)/1997—2000

फा. सं. 01/94/180/अध्याय-9/ए एम 01/पी सी-4.—का.आ. संख्या-283(अ) दिनांक 31-3-1997 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में यथा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 4.11 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) (आर ई-2000) 1997—2002 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

1. पैराग्राफ 9.1 के दूसरे उप-पैराग्राफ को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

अधिसूचना संख्या-42 (आर ई)/92-97 दिनांक 31 मार्च, 1994 (परिशिष्ट 16-छ) के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों अथवा निजी/संयुक्त क्षेत्र द्वारा भी निर्यात संसाधन क्षेत्र स्थापित किये जा सकते हैं। सार्वजनिक/निजी/संयुक्त/राज्य क्षेत्र में विशेष आर्थिक क्षेत्रों को स्थापित करने हेतु दिशा-निर्देश परिशिष्ट-16झ में दिए गए हैं।

2. निम्नलिखित को पैराग्राफ 9.2 (घ) के तौर पर जोड़ा जाएगा:-

विशेष आर्थिक क्षेत्र में यूनिट स्थापित करने के लिए परिशिष्ट- में दिए प्रपत्र में आवेदन की 5 प्रतियां संबंधित विशेष आर्थिक क्षेत्र के विकास आयुक्त को प्रस्तुत की जा सकती है।

3. पैराग्राफ 9.5 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

संबंधित प्राधिकारी द्वारा ई ओ यू/ई पी जेड/ई एच टी पी/एस टी पी यूनिटों को जारी अनुमति पत्र (एल ओ पी)/आशय पत्र (एल ओ आई) को सभी उद्देश्यों के लिए

लाइसेंस माना जाएगा जिनमें सीधे अथवा सरणीकृत एजेंसी के माध्यम से कच्चे माल और उपभोज्यों की प्राप्ति शामिल है। एल ओ पी/एल ओ आई हेतु मानक प्रपत्र परिशिष्ट-16 घ में और व्यापार/सेवा यूनिटों के लिए 16 घ घ में दिया गया है। एस ई जैड यूनिटों हेतु एल ओ पी/एल ओ आई का मानक प्रपत्र परिशिष्ट-16 ट में दिया गया है।

4. पैराग्राफ 9.6 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

एल ओ पी/एल ओ आई में विनिर्माण/सेवा गतिविधि की मदों, वार्षिक क्षमता, अनुमानित वार्षिक निर्यात निष्पादन को पहले पांच वर्षों के लिए डालरों में, निर्यातों की प्रतिशतता के तौर पर निवल विदेशी मुद्रा अर्जन, सीमाएं, यदि कोई हों,

घरेलू क्षेत्र में तैयार माल, उप-उत्पादों और अस्वीकृत माल की बिक्री के लिए और ऐसे अन्य माल जो जरूरी हों तथा यथा अपेक्षित ऐसी शर्तें भी लगाई जा सकती हैं।

एस ई जैड यूनिटों द्वारा अनुमोदित कार्यकलाय में किसी परिवर्तन अथवा कोई नया कार्यकलाय करने के मामले में विकास आयुक्त यूनिट से सूचना प्राप्त होने के छह दिनों के भीतर संशोधित एल ओ पी जारी करेगा।

5. पैरा 9.10 (घ) को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

ई ओ यू/ई पी जैड यूनिटों द्वारा माल, पूंजीगत माल और स्पेयर्स को छोड़कर, का उपयोग नीति के अनुसार दो वर्षों अथवा सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा बढ़ाई गई अवधि तक किया जा सकता है। नीति के अध्याय-8 के तहत आने वाली मदों हेतु उस अध्याय के प्रावधान इन यूनिटों पर लागू होंगे।

तथापि, एस ई जैड यूनिटों के मामले में, माल को 5 वर्षों की अनुमोदित अवधि के भीतर इस्तेमाल किया जाएगा।

6. निम्नलिखित को पैरा 9.20 (ग) के तौर पर जोड़ा जाएगा:-

अनुमोदित एस ई जैड को निर्धारित किए जाने वाले प्रपत्र में संबंधित विकास अधिकारी को विधिक वचनबद्धता प्रस्तुत करनी होगी।

7. "यूनिटों का अनुमोदन" शीर्ष के तहत पैराग्राफ 9.37(क) के पहले उप-पैराग्राफ को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

ई पी जैड में अथवा ई पी जैड के बाहर ई ओ यू के तौर पर यूनिटों को स्थापित करने हेतु आवेदनों, सेवा क्षेत्र में यूनिट स्थापित करने (साफ्टवेयर और आई टी सेवाओं, व्यापार या कोई अन्य सेवा गतिविधि को छोड़कर जैसा कि बी ओ ए द्वारा नामित हो) और बीमार/बंद डी टी ए यूनिट को ई ओ यू में परिवर्तित करने हेतु प्रस्तावों के अलावा जिनमें निम्नलिखित शर्तें पूरी की गई हों, विकास आयुक्त द्वारा उन्हें अनुमोदित किया जा सकता है।

8. पैराग्राफ 9.37 (ख) (झ) को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

अतिरिक्त पूंजीगत माल का आयात: अतिरिक्त पूंजीगत माल के आयात को इस शर्त के तहत अनुमति दी जाएगी कि आयातित पूंजीगत माल का कुल मूल्य 20 मिलियन अमेरिकन डालर अथवा पूंजीगत माल के अनुमोदित मूल्य के 10 % से अधिक न हो चाहे ये 20 मिलियन अमेरिकन डालर से अधिक क्यों न हो ।

9. पैराग्राफ 9.44 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जायेगा:-

एस ई जेड यूनिट सुविधाजनक फार्मेट में वित्तीय वर्ष बार उचित खाता रखेगा और इसे परिशिष्ट 16 ज पर दिए गए फार्मेट में विकास आयुक्त/सीमा शुल्क प्राधिकारी को ऑन-लाईन पर आंकड़े उपलब्ध करायेगा तथा तिमाही/नियमित आधार पर विकास आयुक्त/सीमाशुल्क प्राधिकारी को इसे प्रस्तुत करेगा जब तक ऑन-लाईन सम्पर्क स्थापित नहीं हो जाता ।

10. पैराग्राफ 9.45 पैराग्राफ 9.46 हो जायेगा और इसे संशोधित करके इस प्रकार पढ़ा जायेगा:-

पैराग्राफ 9.1, 9.2, 9.4, 9.5, 9.6, 9.10, 9.14, 9.15, 9.16, 9.17, 9.18, 9.19, 9.20, 9.24क, 9.24ख, 9.28, 9.29, 9.29क, 9.32, 9.33, 9.34, 9.35, 9.37, 9.38, 9.39 और 9.40 के प्रावधान एस ई ए जे यूनिटों पर भी लागू होंगे ।

11. निम्नलिखित को पैराग्राफ 9.45 के रूप में जोड़ा जायेगा:-

एस ई जेड यूनिट को निम्नलिखित की अनुमति दी जायेगी:-

(क) जॉब वर्कर के परिसर से तैयार वस्तुओं को सीधे ही निर्यात किया जा सकेगा बशर्ते जॉब वर्कर का परिसर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में पंजीकृत हो । तथापि, जॉब वर्कर के परिसर से ऐसे उत्पाद को तीसरी पार्टी के जरिये निर्यात करने की अनुमति नहीं होगी जैसी कि नीति के पैराग्राफ 9.11 में व्यवस्था दी गई है ।

(ख) नीति के पैराग्राफ 9.38 के अनुसार डी टी ए में उत्पादन का उप ठेका देने के मामले में उप-ठेका दिये जाने वाले निर्यात उत्पाद का एक नमूना डी टी ए में उप-ठेकेदार के संबंधित उत्पाद शुल्क अधिकारी को अग्रिम रूप से भेजना होगा ।

(ग) नीति के पैराग्राफ 9.38 के अनुसार डी टी ए यूनिट की ओर से निर्यात के लिए जॉब वर्क लेने वाले एस ई जेड यूनिट के मामले में तैयार वस्तुओं को एस ई जेड से सीधे ही निर्यात किया जायेगा और निर्यात दस्तावेज डी टी ए यूनिट के नाम में होंगे ।

12. परिशिष्ट-16 ड के पृष्ठ 116/117 में यथा उल्लिखित ई ओ यू/ई पी जेड/एस ई जेड यूनिटों के निष्पादन की निगरानी हेतु दिशा-निर्देशों को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक-1 के अनुसार संशोधित किया जाएगा ।

13. परिशिष्ट-16 ज को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक-2 के अनुसार संशोधित किया जाएगा ।

14. परिशिष्ट-16 को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक-3 के अनुसार प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड -1) में जोड़ा जाएगा ।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

एन. एल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार

अनुलग्नक-1

परिशिष्ट-16ड

ई ओ यू/ई. पी जैड/एस. ई. जैड यूनिटों के निष्पादन की निगरान हेतु मार्ग निर्देश

1. गत वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के अंत से पूर्व विकास आयुक्त द्वारा प्रत्येक कार्यरत यूनिट एवं अनुमोदन की शर्तों के अनुपालन के बारे में वार्षिक समीक्षा की जाएगी।
2. प्रत्येक वर्ष 30 जून तक नीचे दिए तीन प्रपत्रों में प्रत्येक विकास आयुक्त द्वारा वाणिज्य मंत्रालय को वार्षिक निष्पादन समीक्षा का सारांश भेजा जाएगा।

प्रपत्र—1 : ई ओ यू/ई पी जैड/एस. ई. जैड यूनिटों के वार्षिक निष्पादन की सैक्टरों के उपयोग सहित सैक्टर वार का सारांश।

प्रपत्र—2 : गत वर्ष की तुलना में निष्पादन और मानिट्रिंग का तुलनात्मक विवरण।

प्रपत्र—3 : समीक्षा का परिणाम दर्शाते हुए एन एफ ई एवं एन एफ ई पी पर यूनिट वार विवरण।

3. मामूली कमी को माफ करने जिसमें यूनिट को निगरानी में रखने अथवा दांडिक कार्रवाई करने के लिए निम्नलिखित मानदंड अपनाये जाएंगे :

- (1) कोई कार्रवाई नहीं—यदि ई. ओ. यू/ई. पी. जैड यूनिट ने निर्यात आयात नीति के परिशिष्ट -1 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार एन एफ ई पी और निर्यात निष्पादन प्राप्त कर लिया है।
- (2) माफ करना— प्रथम या द्वितीय वर्ष के दौरान यदि एन एफ ई पी परिशिष्ट-1 के अनुसार में कमी 10% से अधिक है किन्तु प्राप्त किया गया एन एफ ई पी नकारात्मक नहीं है और/या निर्यात निष्पादन (प्रक्रिया-1 में निर्धारित मानदंड अनुसार) कमी 10% से अधिक नहीं है।
- (3) निगरानी : प्रथम अथवा द्वितीय वर्ष में यदि एन एफ ई पी (परिशिष्ट-1 के अनुसार) में कमी 10% से अधिक है परन्तु प्राप्त एन एफ ई पी नकारात्मक नहीं है और/या परिशिष्ट-1 के मानदंडों के अनुसार निर्यात निष्पादन 10% से अधिक नहीं है।
- (4) दांडिक कार्रवाई : यदि प्राप्त एन एफ ई पी नकारात्मक है और/या निर्यात निष्पादन में तीसरे वर्ष या परवर्ती वर्षों में परिशिष्ट-1 में दिए मानदंडों अनुसार 10% से अधिक की कमी है तो विकास आयुक्त द्वारा यूनिट को कारण बताओ नोटिस दिया जाना चाहिए। यदि यूनिट के उत्तर में चूक अनुमेय सीमा से अधिक है तो विकास आयुक्त विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के अंतर्गत कार्रवाई कर सकता है।

तथापि यदि निष्पादन के प्रथम वर्ष के दौरान प्राप्त एन एफ ई पी नकारात्मक है तो यूनिट को “माफ करना” श्रेणी में डाल देना चाहिए तथा को दांडिक कार्रवाई तभी की जानी चाहिए यदि यही प्रक्रिया द्वितीय अथवा परवर्ती वर्षों में भी जारी रहती है।

- (5) यदि किसी विशेष वर्ष में जैसा कि एन. एफ. ई. पी./ई. पी. में कमी के कारण यूनिट के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई आरम्भ कर दी गई है और आगामी वर्षों में भी वह उसी श्रेणी में आता है तो यूनिट के विरुद्ध नई दंडात्मक कार्रवाई आरम्भ की जाएगी।
4. डिबांडिंग के सभी मामलों में जिनमें यूनिट ने निविष्टी आयात कर ली है तथा एन एफ ई पी/ई पी के मामले में अनुमोदन पत्र की शर्तों को पूरा करने में असमर्थ रहती हैं तो यूनिटों को कारण बताओं नोटिस जारी करके उनके विरुद्ध दंडिक कार्रवाई की जानी चाहिए। जो एक वर्ष या अधिक अवधि से कार्यरत नहीं है तो उन यूनिटों के विरुद्ध एल.ओ.पी./एल.ओ.ए. को निरस्त करने की कार्रवाई प्रारंभ कर देनी चाहिए।
5. समय-समय से निर्यात आयात नीति के परिशिष्ट-1 में दिए विभिन्न सैक्टरों के लिए 5 वर्ष की अवधि के लिए मानदंडों के अनुसार न्यूनतम निर्यात निष्पादन जो कि न्यूनतम निर्यात के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य अनुसार होगा।
6. निर्यात आयात नीति के पैरा 9.29 के अनुसार एन एफ ई पी की गणना की जाएगी। एकरूपता की दृष्टि से परिशिष्ट-1 में दी गई एन एफ ई पी की गणना की मार्ग निर्देशनों का अनुसरण किया जाएगा। और
7. पुरानी यूनिटों के मामले में जिन्होंने 5 वर्ष से अधिक समय पूरा कर लिया है तो सामूहिक रूप से गत 5 वर्ष का मूल्यांकन किया जाएगा (200 करोड़ रुपये या अधिक निवेश वाली यूनिटों के लिए सात वर्ष) यदि किसी यूनिट ने वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ करने की तारीख से 5 वर्ष से कम का समय पूरा कर लिया है तो उसकी निगरानी पूरे किए गए वर्षों के आधार पर की जाएगी। तथापि जिन यूनिटों ने वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की तारीख से एक वर्ष पूरा नहीं किया है उनकी निगरानी करने की आवश्यकता नहीं है।
8. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में जारी दिनांक 21-2-2000 के परिपत्र संख्या सी. ओ. ई. एक्स डी 3109/05.62.05/99-2000 के तहत अनुदेशों के अनुसार विकास आयुक्त, भारतीय रिजर्व बैंक के संबंधित महाप्रबंधक के सहयोग से विदेशी मुद्रा वसूली/प्राप्ति का मानिट्रिंग करेगा।

एस ई जैड यूनिटें :

एस ई जैड यूनिटों के निष्पादन की निगरानी के लिए मानदंड निम्नलिखित हैं:—

- (क) एस ई जैड यूनिटों के निष्पादन की निगरानी वार्षिक रूप से की जाएगी। तथापि, दंडिक कार्रवाई तभी प्रारम्भ की जाएगी अगर प्राप्त किया गया एन एफ ई पी को तीसरे या बाद के वर्षों में नकारात्मक है। एस ई जैड योजना में परिवर्तित मौजूदा ई पी जैड के मामले में ई पी जैड योजना के तहत वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ होने की तारीख को निगरानी के प्रयोजन के लिए यूनिटों द्वारा पूरे किए गए वर्ष गिनने हेतु तारीख माना जाएगा।
- (ख) एस ई जैड यूनिटों के निष्पादन की निगरानी नीति के पैराग्राफ 9.40 के अनुसार एवं समिति द्वारा की जाएगी।

परिशिष्ट - 16 ज

एस ई जैड में यूनिटों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली मासिक/तिमाही रिपोर्ट 1

प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैराग्राफ 9.44 के अनुसार एस ई जैड यूनिट द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली तिमाही/मासिक विवरणिका ।

(सभी आंकड़े अमेरिकी डालरों में दिए जाएं)

1. यूनिट का नाम
2. रिपोर्ट करने की अवधि
3. विनिर्माण /व्यापार/सेवा की मद (मदें)
4. उत्पादन/कार्य आरम्भ होने की तारीख

क्रमांक	लेन - देन	अमेरिकी डालरों में मूल्य
1.	एस ई जैड स्कीम में परिवर्तन की तारीख को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटक उपभोज्यों, हिस्से-पुर्जों, कार्यालय उपस्कर, तैयार माल आदि का आरम्भिक खाता । (मदों काविवरण और मूल्य बताएं । आयातित पूंजीगत माल के मामले में, केवल ई पी जैड स्कीम के तहत एमोटाइजेशन के बाद शेष मूल्य की स्वीकृति) ।	
2.	विगत तिमाही/माल के अंत में आयातित पूंजीगत माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य ।	
3.	विगत तिमाही/मास के अंत तक आयातित कच्चे माल/संघटकों, उपभोज्यों का लागत बीमा भाड़ा मूल्य ।	
4.	विगत तिमाही/मास के अंत तक कमीशन/डिविडेंड/रायल्टी आदि पर होने वाला अन्य विदेशी मुद्रा व्यय ।	
5.	अन्तः यूनिट स्थानान्तरण के तहत अन्य एस ई जैड/ई पी जैड/ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी से प्राप्त माल का मूल्य ।	
6.	विगत तिमाही/मास के अंत तक निर्यातों का पोत पर्यन्त निशुल्क मूल्य ।	
7.	अग्रिम लाइसेंसों और विशेष शुल्क मुक्त हकदारियों के मद्दे घरेलू टैरिफ क्षेत्र में आपूर्तित माल सेवाओं का मूल्य ।	
8.	अन्तः यूनिट स्थानान्तरण के तहत अन्य एस ई जैड/ई पी जैड/ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी को स्थानान्तरित माल का मूल्य ।	
9.	विगत तिमाही/माल के अंत में स्टॉक में बचे आयातित कच्चे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य ।	

10.	विगत तिमाही/मास के अंत में स्टॉक में बचे कच्चे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य को छोड़कर प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 17.25 में इंगित फार्मूला के अनुसार सकारात्मक निवल विदेशी मुद्रा अर्जन । (ऊपर क्रमांक -8)	
	अन्य ब्यौरे	(मूल्य रुपयों में)
11.	विगत तिमाही/मास के अंत तक डी टी ए में माल की बिक्री, यदि कोई हो ।	
12.	विगत तिमाही/मास के अंत तक डी टी ए में रिजेक्ट्स का बिक्री, यदि कोई हो ।	
13.	विगत तिमाही/मास के अंत तक वेस्ट/स्क्रेप/अवशेष की बिक्री ।	
14.	एस ई जैड के विकास आयुक्त को सूचित करते हुए जी आर प्रपत्र के बिना निर्यातित माल जैसे कि 1 विदेशी आपूर्तिकर्ताओं अथवा सहयोगियों द्वारा प्रतिस्थापन के उद्देश्य हेतु खराब पाया गया आयातित माल, ऋण आधार पर आयातित माल, मुफ्त नमूनों का निर्यात, उत्पादन कार्यों हेतु विदेशी आपूर्तिकर्ताओं अथवा सहयोगियों से मुफ्त आयातित अतिरिक्त माल, प्रदर्शनियों आदि में भाग लेने हेतु आयातित खेप ।	
15.	विगत तिमाही/मास के अंत तक प्राप्त किए गए स्वदेशी पूंजीगत माल का मूल्य ।	
16.	विगत तिमाही/मास के अंत तक प्राप्त किए गए स्वदेशी कच्चे माल/संघटकों, उपभोज्यों का मूल्य ।	

अनुलग्नक-3

परिशिष्ट-16 अ

विशेष आर्थिक जोन में यूनिटें स्थापित करने के लिए आवेदन ।

टिप्पणी: 1 कृपया इस प्रक्रिया पुस्तक का पैरा 9.2 देखें ।

एस ई जैड में यूनिट स्थापित करने के लिए 5 प्रतियों के साथ आवेदन, पत्र वेतन एवं लेखा अधिकारी, औद्योगिक विकास विभाग, के नाम में, भारतीय स्टेट बैंक, निर्माण भवन नई दिल्ली में देय 1000/- रुपये (2500 रु. नई औद्योगिक नीति की अनुसूची I और II के तहत आने वाली मदों के संबंध में) के रेखांकित डिमांड ड्राफ्ट संबंधित विशेष आर्थिक जोन के विकास आयुक्त को प्रस्तुत करना चाहिए ।

केवल कार्यालय उपयोग के लिए

आवेदन पत्र सं. _____

दिनांक: _____

दिनांक _____ मास _____ वर्ष _____

बैंक ड्राफ्ट का ब्यौरा _____

राशि रूपयों में _____

ड्राफ्ट संख्या _____

ड्राफ्ट की तारीख _____

बैंक _____

(बैंक का नाम)

भुगतान का स्थान _____

1. प्रवर्तक का नाम और पता (साफ अक्षरों में)

कम्पनी/आवेदक का नाम _____

पूरा पता _____

(लिमिटेड कम्पनियों के मामले में
पंजीकृत कार्यालय और अन्य हेतु

पिन कोड _____

टेली.नं. _____

फैक्स नं.

ई.मेल नं.

2. आवेदक फर्म का स्वरूप:

(कृपया उपर्युक्त बॉक्स में) सही (\ /) का निशान लगाएं)

1. सरकार का उपब्रह्म
2. सार्वजनिक लिमिटेड कम्पनी
3. निजी लिमिटेड कम्पनी
4. स्वामित्व
5. साझेदारी
6. अन्य (उल्लेख करें)

3. यह प्रस्ताव किस संबंध में है

(कृपया उपयुक्त बॉक्स में सही (\ /) का निशान लगाएं)

1. विनिर्माण/व्यापार/सेवा के लिए, नए उपक्रम के स्थापना ।
2. अनुमोदित कार्यकलाय के पर्याप्त विस्तार करने के लिए ।
3. नए उत्पाद के विनिर्माण अथवा नई सेवा अथवा व्यापार के लिए ।

विनिर्माण यूनिट के संबंध में कृपया निम्नलिखित सूचना दें :

4. विनिर्माण की मद (दें): (उप उत्पाद/सह उत्पादों सहित)
(यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त शीट लगाएं)

मद (दें) विवरण
एच एस

क्षमता (यूनिट =

मद कोड़ (आई टी सी

व्यापार/सेवा यूनिट के संबंध में कृपया निम्नलिखित विवरण दें :

(रूपये लाख में)

5. उन उत्पादों/सेवा गतिविधियों का विस्तृत आयात निर्यात स्थानीय खरीद

ब्यौर दें जिसके लिए पांच वर्षों की अवधि के लिए यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है।

6. निर्यात का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(1 डालर = ₹0)

₹0 (लाख में)

अमरीकी डालर

(हजार में)

पहला वर्ष	_____
दूसरा वर्ष	_____
तीसरा वर्ष	_____
चौथा वर्ष	_____
पांचवा वर्ष	_____
कुल	_____

7. निदेश

(लाख रुपए)

क. भूमि

ख. भवन

ग. संयंत्र एवं मशीनरी _____

(1) स्वदेशी _____

(अमेरीकी डालर (हजार)

(2) आयात लागत बीमा भाड़ा मूल्य-----

(3) योग (1)+(2) _____

8. क्या विदेशी तकनीकी समझौते परिकल्पना की गई है ।

(कृपया उपयुक्त बॉक्स में सही (\ /) का निशान लगाएं)

हाँ _____ नहीं _____

(1) विदेशी सहयोगी का नाम एवं पता-----

(रु. लाख में)

(2) सहयोग की शर्तें

(सकल कर)

क. एक मुरत भुगतान _____

ख. डिजाइन व ड्राइंग फीस _____

ग. विदेशी टेक्नीशियन को भुगतान-----

घ. निर्यात पर रायल्टी _____

ड. डी टी ए बिक्री पर रायल्टी, यदि परिकल्पना की गई है । -----

च. समझौते की अवधि _____

(वर्षों की संख्या)

9. विदेशी गैर आवासी भारतीय निवेश सहित इक्विटी

(1) (हजार अमेरीकी डालर) (लाख रुपए)

क. प्राधिकृत _____

ख. अभिदत्त _____

ग. प्रदत्त पूंजी _____

टिप्पणी: यदि यह मौजूदा कम्पनी है, तो कृपया मौजूदा और प्रस्तावित पूंजीगत ढाँचे का दें ।

(2) प्रदत्त पूंजी में शेयर धारिता का प्रतिरूप(राशि रूपए में)

(लाख रूपये) (हजार अमरीकी डालर)

क. विदेशी धारित _____

ख. गैर आवासी भारतीय कम्पनी/निजी धारिता

1. प्रत्यावर्तनीय _____

2. गैर-प्रत्यावर्तनीय _____

ग. आवासी धारिता _____

घ. कुल (क + ख (1 + 2) + ग इक्विटी _____

ड. (3) विदेशी वाणिज्यिक ऋण _____

		पहले	दूसरे	तीसरे	चौथे	पांचवे	योग पांच वर्षों में	अमरीकी डॉलर
10.	पहले पांच वर्षों में निर्यातों का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य							
11.	विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन							
1.	मशीनरी का आयात							
2.	कच्चे माल और संघटकों							
3.	हिस्से पुर्जों और उपभोग्यों का आयात							
4.	विदेशी सहयोगियों को देश में प्रत्यावर्तन							

	लाभांश तथा लाभ							
5.	रॉयल्टी							
6.	जानकारी की एकमुश्त राशि							
7.	डिजाइन और ड्रॉइंगफीस							
8.	विदेशी तकनीशियन को भुगतान							
9.	विदेश में भारतीय तकनीशियन के प्रशिक्षण पर भुगतान							
10.	निर्यात इत्यादि पर कमोशन							
11.	विदेश यात्रा							
12.	विदेशी ऋण/स्थगित भुगतान क्रेडिट (विशिष्ट ब्यौरे) दी जाने वाली ब्याज की राशि							
13.	कोई अन्य भुगतान (विवरण दें)							
	कुल (1) से (13)							
	पांच वर्षों में अर्जित निवल विदेशी मुद्रा							

12. अस्वीकृत माल

तैयार वस्तुओं की अस्वीकृतियां/घटिया माल का निर्माण -----

(पांच वर्ष के उत्पादन का प्रतिशत)

13. उपठेका

क. क्या अपेक्षित संघटकों द्वारा _____
 लघु और अनुमंगी यूनिटों _____
 को उपठेका देने का प्रस्ताव है _____
 हाँ नहीं

14. रोजगार

(सभी आंकड़े संख्या में)

	मौजूदा _____	प्रस्तावित _____
क. पर्यवेक्षी	_____ _____	_____ _____
ख. गैर पर्यवेक्षी	_____ _____	_____ _____

15. निवल विदेशी मुद्रा अर्जन

प्रतिशत

नीति के पैराग्राफ 16.4 के अनुसार _____
 पांच वर्षों में सकारात्मक विदेशी मुद्रा अर्जन _____

16. विपणन

क. क्या विपणन संबंधी समझौते/वापसी खरीद की _____
 परिकल्पना को अग्रिम रूप दे दिया गया है । _____
 (दस्तावेज, यदि कोई हों तो संलग्न करें) हाँ नहीं

जी सी ए

आर पी ए

ख. निर्यात का गन्तव्य स्थान (प्रतिशत में)

17. अन्य जानकारी

- (1) परियोजना प्रस्ताव का कोई विशिष्ट लक्षण
जिसे आप सुस्पष्ट करना चाहे
- (कृपया नई यूनिटों के लिए परियोजना रिपोर्ट, संलग्न करें)
- (2) (क) क्या आवेदक को ई.ओ.यू./एस.ई.जैड/ई पी जैड स्कीम के अधीन कोई औद्योगिक लाइसेंस या एल ओ आई/एल ओ पी जारी किया गया है ? यदि हाँ तो कृपया पूरा ब्यौरा विशेष रूप से संदर्भ संख्या, जारी करने की तारीख, विनिर्माण की मद और प्रत्येक परियोजना के कार्यान्वयन की प्रगति बताएं
- (ख) क्या आवेदक ने एल ओ आई/एल ओ पी के लिए कोई अन्य आवेदन किया है जो लम्बित है यदि हाँ तो कृपया संदर्भ संख्या, नाम जिसके अधीन आवेदन किया गया, विनिर्माण की मदें आदि का ब्यौरा दें,
- (3) क्या आवेदक या कोई भागीदार/निदेशक जो कि अन्य कम्पनी या उसकी सहायक कम्पनी के भागीदार/निदेशक भी हैं, को निर्यात एवं आयात ((नियंत्रण)अधिनियम 1947 विदेश व्यापार (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1992 के अधीन या अन्यथा किसी लाइसेंस/आशय पत्र/अनुमति पत्र प्राप्त करने से वर्जित किया गया है या अन्यथा दंडित किया गया है ।

स्थान:

दिनांक:

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

पदनाम

कार्यालय की सील/मोहर

कार्यालय का पूरा पता

पूरा आवासीय पता

वचन-पत्र

मैं/हम एतद्वारा वचन देता हूँ/देते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मैं/हम निर्यात विकास आयुक्त, (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग) द्वारा निर्धारित किसी अन्य शर्त का पालन करूँगा/करेंगे। मैं/हम पूर्णतया समझता हूँ/समझते हैं कि मुझे/हमें प्रदान किया गया कोई भी अनुमति पत्र, यदि उस विवरण में दिया गया कोई भी तथ्य गलत या झूठा पाया गया तो मामले की स्थितियों को देखते हुए इस संबंध में किसी अन्य कार्रवाई के साथ-साथ उसे रद्द किया जा सकता है।

स्थान:

दिनांक:

आवेदक के हस्ताक्षर.....

नाम साफ अक्षरों में

पदनाम

कार्यालय की सील/मोहर

कार्यालय का पूरा पता

पूरा आवासीय पता

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 19th October, 2000

No. 37 (RE-2000)/1997—2002

F. No. 01/94/180/Ch. 9/AM 01/PC-IV. —In exercise of the powers conferred under Paragraph 4.11 of the Export and Import Policy 1997—2002, as notified in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) vide S. O. No. 283(E) dated 31-3-97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in Handbook (Vol. 1). (RE-2000), 1997—2002.

1. The second sub-paragraph of paragraph 9.1 shall be amended to read as under:-

Export Processing Zones can also be set up by State Governments or in private/joint sector as per guidelines issued vide Notification No:42(RE)/92-97 dated 31st May, 1994 (Appendix 16-G). Guidelines on setting up of Special Economic Zones in the public/private/joint/State sector is given in Appendix 16-I).

2. The following shall be added as paragraph 9.2(d):-

For setting up a unit in a SEZ, 5 copies of the application in the form given in Appendix 16-J may be submitted to the Development Commissioner (DC) of the SEZ concerned.

3. The paragraph 9.5 shall be amended to read as under:-

Letter of permission (LOP)/Letter of intent (LOI) issued to EOU/EPZ/EHTP/STP units by the concerned authority would be construed as a licence for all purposes, including for procurement of raw materials and consumables either directly or through canalizing agency. Standard format for LOP/LOI for EOU/EPZ units is given in Appendix 16-D and for Trading/Service units in Appendix 16-DD. Standard format for LOP/LOI for SEZ units is given in Appendix 16-K.

4. The paragraph 9.6 shall be amended to read as under:-

The LOP/LOI shall specify the items of manufacture/service activity, annual capacity, projected annual export performance (EP) for the first five years in dollar terms, Net Foreign Exchange earnings as a Percentage of exports (NFEP), limitations, if any, regarding sale of finished goods, by-products and rejects in the DTA and such other matter as may be necessary and also impose such conditions as may be required.

In case of any change in approved activity or undertaking any new activity by SEZ units, the Development Commissioner shall issue amended LOP within six days on receiving intimation from the unit.

5. The paragraph 9.10 (d) shall be amended to read as under:-

The goods, except capital goods and spares shall be utilised by EOU/EPZ units as per Policy within a period of two years or as may be extended by Customs authority. For items covered by chapter 8 of the Policy, the provisions of that chapter shall apply to such units.

However, in case of SEZ units, the goods shall be utilised within the approval period of 5 years

6. The following shall be added as paragraph 9.20(c):-

The approved SEZ unit shall be required to execute a legal undertaking with the DC concerned in the format to be prescribed.

7. The first sub-paragraph of paragraph 9.37(a) under the head "Approval of Units", shall be amended to read as under:-

Applications for setting up of units in EPZ or as EOU outside the EPZ, other than proposals for setting up of unit in the service sector (except software and IT enabled services, trading or any other service activity as may be delegated by BOA) and conversion of sick/closed DTA unit into EOU, satisfying the following conditions, may be approved by DC.

8. The paragraph 9.37 (b) (i) shall be amended to read as under:-

Import of additional capital goods: to allow import of additional capitals goods subject to the condition that the total value of imported capital goods is not more than US \$ 20 million or 10% of the approved value of capital goods even if it exceeds US \$ 20 million

9. The paragraph 9.44 shall be amended to read as under:-

SEZ unit shall maintain proper account, in format convenient to it and financial year-wise and make available on-line to the Development Commissioner/ Customs information in the format prescribed at Appendix 16 H and till such time on-line connectivity is established submit the same quarterly and regularly to the Development Commissioner/ Customs. For gem and jewellery a monthly statement shall be submitted in the same format.

10. The paragraph 9.45 shall be renumbered as paragraph 9.46 and shall be amended to read as under:-

The provisions of paragraph 9.1, 9.2, 9.4, 9.5, 9.6, 9.10, 9.14, 9.15, 9.16, 9.17, 9.18, 9.19, 9.20, 9.24A, 9.24B, 9.28, 9.29, 9.29A, 9.32, 9.33, 9.34, 9.35, 9.37, 9.38, 9.39 and 9.40 will also apply to SEZ units

11. The following shall added as paragraph 9.45

SEZ unit may be permitted to :-

- (a) export finished goods directly from the job worker's premises provided the job worker's premises is registered with the Central

Excise Department. However, export of such products from the job worker's premises shall not be allowed through third parties as provided for under paragraph 9.11 of the Policy.

(b) In case of sub-contracting of production in the DTA in terms of paragraph 9.38 of the Policy, a sample of the export product being subcontracted shall be sent in advance to the jurisdictional Excise Officer of the sub-contractor in the DTA.

(c) In case of SEZ units undertaking job work for export on behalf of DTA unit in terms para 9.38 of the Policy, the finished goods shall be exported directly from the SEZ unit and export documents shall be in the name of DTA unit.

12. The guidelines for monitoring the performance of EOU/EPZ/SEZ units as contained at pages "App.116/117" of Appendix- 16 E shall be amended as per the Annexure-I to this Public Notice.

13. The Appendix- 16 H shall be amended as per the Annexure-II to this Public Notice.

14. The Appendix- 16J shall be added in the Handbook (Vol.1) as per the Annexure-III to this Public Notice.

This issues in public interest.

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade

Annexure-I

APPENDIX - 16 E

Guidelines for monitoring the performance of EOU/EPZ/**SEZ** units

1. The annual review of performance of each operational unit and its compliance with the conditions of approval shall be undertaken by the Development Commissioner before the end of the first quarter of the following financial year;
2. A summary of annual performance review will be sent by each Development Commissioner to the Ministry of Commerce for information under the three formats indicated below latest by 30th June every year;

Proforma I: Summary of annual performance of the EOU/EPZ/**SEZ** units, sector - wise with sectoral sub - totals.

Proforma II: Comparative statement of performance and monitoring as compared to previous year;

Proforma III: Unit-wise statement on NFE and NFEP showing the result of review.

3. The criteria for condoning marginal shortfall, keeping the unit under 'watch' or initiating penal action in respect of EOU/EPZ units would be as follows :

- i) No action - If the EOU/EPZ unit has achieved the NFEP and Export Performance (EP) as per norms in Appendix - I of Exim Policy;
- ii) Condone - If the shortfall in NFEP and/or export performance (as per norms in Appendix - I) is upto 10% during 1st and IInd year;
- iii) Watch - If the shortfall in NFEP (as per Appendix - I) is more than 10% but NFEP achieved is not negative and/or shortfall in EP does not exceed 10% of the norm in Appendix - I during first or second year;
- iv) Penal action - If NFEP achieved is negative and/or shortfall in export performance is more than 10% of the norm in Appendix - I in 3rd or subsequent years the unit should be issued Show cause notice by the Development Commissioner. If after consideration of reply of unit, the default is more than permissible limit, the Development Commissioner may initiate penal action under the FT(D&R) Act, 1992;

However, cases where NFEP achieved is negative during first year of performance, may also be kept in 'condone' category and penal action may be taken only if the trend continues in the second or subsequent year of their operation;

- v) If penal action has been initiated against a unit on account of shortfall in NFEP/EP as stated above in a particular year and it defaults against in subsequent year(s), fresh penal action will be initiated against the unit.
4. In all cases of debonding where the unit has imported inputs and failed to fulfil the conditions of LOP with regard to NFEP/EP, appropriate steps are to be taken for penal action after issuing Show Cause Notice to the units. Steps may also be initiated for cancellation of LOP/LOA of units which is not operating for more than a year;
5. The Minimum export obligation expressed as minimum FOB value of exports shall be as per the norm for the 5 year period for various sectors given in Appendix - I of Exim Policy from time to time;
6. NFEP is to be calculated as per Para 9.29 of Exim Policy. For purpose of uniformity, guidelines for calculation of NFEP given in Annexure - I, may be followed; and

7. Annual monitoring in the cases of old units which have completed more than five years will be evaluated cumulatively for the last five years (seven years for units with investment of Rs. 200 crores or above) only. In case a unit has completed less than five years from the date of commencement of commercial production it will be monitored for the number of completed years. However, units which have not completed one year, from the date of commercial production, need not be monitored.
8. Development Commissioner will monitor Foreign Exchange realization/remittance of EOU/EPZ units in coordination with the concerned General Manager of RBI as per instructions issued on the subject vide RBI circular No. COEXD. 3109/05.62.05/99-2000 dated 21.2.2000

SEZ units:

The criteria for monitoring the performance of SEZ units would be as follows:-

- (a) The performance of the SEZ units to be monitored annually. However, penal action to be initiated only if NFEP achieved is negative in 3rd or subsequent years. In case of existing EPZ units converting into SEZ scheme, the date of commencement of commercial production under the EPZ scheme will be the date for reckoning the number of years completed by the units for the purpose of monitoring.
- (b) The performance of the SEZ units shall be monitored by a Committee as provided for in para 9.40 of the Policy.

Annexure-II**Appendix-16-H****MONTHLY /QUARTERLY REPORT TO BE FURNISHED BY UNITS IN SEZ**

Quarterly/monthly statement to be furnished by the SEZ unit in terms of paragraph 9.44 of Handbook of Procedures (Vol. I).

(All figures to be given in US\$)

1. Name of the unit :
2. Period of reporting :
3. Item(s) of manufacture/trading/service :
4. Date of commencement of production/operation

S.N	Transaction	Value in US\$
0.		
1.	Opening balance of capital goods, raw materials. Components, consumables, parts, Office equipment, finished products etc., as on date of conversion into SEZ scheme.(Description of items and value to be indicated. In case of imported capital goods, balance value remaining after amortization allowed under EPZ scheme only to be indicated).	
2.	CIF value of CG imported till the end of the last quarter/month	
3.	CIF value of raw materials/ components, consumables imported till the end of the last quarter/ month	
4.	Other foreign exchange outgoes on account of commission/ dividend/ royalty etc. till the end of last quarter/month	
5.	Value of goods received from other SEZ/EPZ/EOU/EHTP/STP units under inter-unit transfer	
6.	Fob value of exports till the end of the last quarter/month	
7.	Value of goods/services supplied in the Domestic Tariff Area against advance licences and special duty free entitlements.	
8.	Value of goods transferred to other SEZ/EPZ/EOU/EHTP/STP units under inter-unit transfer.	
9.	CIF value of imported raw materials lying in stock at the close of the last quarter/month	
10.	Positive Net Foreign Exchange Earning as per the formula indicated in paragraph 17.25 of the Handbook excluding the CIF value of imported raw	

	materials lying in stock at the end of last quarter/month. (S.No. 8 above)	
--	--	--

Contd..

Other details

(Value in Rupees)

11.	Sale of goods effected in DTA, if any, till last quarter/month	
12.	Sale of rejects, in the DTA, if any, till last quarter/month	
13.	Sale of waste/scrap/remnants, if any, till last quarter/month	
14.	Goods exported without GR form under intimation to the Development Commissioner of SEZ such as (i) imported goods found defective for the purpose of replacement by foreign suppliers or collaboarators, imported goods on loan basis, export of free samples, surplus goods imported from foreign suppliers or collaboarators free of cost for production operations, consignments imported for participation in exhibitions etc.	
15.	Value of indigenous CG procured till end of last quarter / month .	
16.	Value of indigenous raw materials/ components, consumables procured till the end of the last quarter/ month	

Annexure-IIIAPPENDIX-16-JAPPLICATION FOR SETTING UP UNITS IN
SPECIAL ECONOMIC ZONE

Note:1 Please see Paragraph 9.2 of this Handbook.

The application should be submitted to the Development Commissioner of the concerned Special Economic Zone (SEZ) for setting up units in SEZ, in 5 copies along-with a crossed Demand Draft of Rs.1,000/- (Rupees 2,500/- in case of items falling under Schedule I & II of the new Industrial Policy) drawn in favour of the Pay & Accounts Officer, Department of Industrial Development, payable at the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi.

For Official Use only

Application No. _____

Date : _____

Date _____ Month _____ Year _____

Details of Bank Draft

Amount Rs. _____

Draft No. _____

draft date _____

Drawn on _____

(Name of the Bank)

Payable at _____

I. NAME AND ADDRESS OF THE PROMOTER (Block Letters)

Name of the company /Applicant _____

Full Address _____

(Regd. Office in case of limited
companies & Head Office for
others)

Pin Code _____

Tel. No. _____

Fax No. _____

E-Mail No. _____

II. NATURE OF THE APPLICANT FIRM:
(Please tick (\ /) the appropriate box)

1. Government Undertaking
2. Public Limited Company
3. Private Limited Company
4. Proprietor ship
5. Partnership
6. Others (please specify)

III. INDICATE WHETHER THIS PROPOSAL IS FOR
(Please tick (\ /) the appropriate box).

1. Establishment of a New Undertaking, for manufacturing/ Trading/ service
2. Effecting Substantial Expansion of the approved activity.
3. Manufacture of New product or for new service or trading.

Please furnish the following in case of manufacturing unit:

IV. ITEM(S) OF MANUFACTURE : (Including By-product/Co-products)
(If necessary, additional sheets may be attached)

Item(s) Description Code No.)	Capacity(Unit =)	Item Code(ITC HS
_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

Please furnish the following in case of trading/service unit:

(Rs. In lakhs)

V	INDICATE BROAD DETAILS OF THE PRODUCTS/SERVICE ACTIVITIES FOR WHICH UNIT IS PROPOSED IN A PERIOD OF FIVE YEARS	Imports	Export	Local purchase	

VI. FOB VALUE OF EXPORTS

(1 \$ = Rs.)

	Rupees (lakhs)	US \$ (Thousand)

283951/2000-4

1st year		
2 nd year		
3 rd year		
4 th year		
5 th year		
Total:		

VII. INVESTMENT:

(RS. IN LAKHS)

- (a) Land _____
- (b) Building _____
- (c) Plant and Machinery _____
- (i) Indigenous _____
- (ii) Import CIF value _____
- (iii) Total (i) + ii) _____

(US \$ Thousand)

VIII. WHETHER FOREIGN TECHNOLOGY AGREEMENT IS ENVISAGED

(Please tick (\ /) the appropriate box)

Yes _____ No _____

- (i) Name and Address of foreign collaborator _____
- (ii) Terms of collaboration _____ (Rupees lakhs) .

(Gross of Taxes)

- (a) Lumpsum payment _____
- (b) Design & Drawing fee _____
- (c) Payment to foreign technician _____
- (d) Royalty (on exports) _____ %
- (e) Royalty (on DTA sales if envisaged) _____
- (f) Duration of agreement _____

(No. of years)

IX. EQUITY INCLUDING FOREIGN/NRI INVESTMENT

(i)

\$ Thousand)

(Rs. lakhs)

- (a) Authorized _____
- (b) Subscribed _____
- (c) Paid up Capital _____

Note: If it is an existing company, please give the break up of the existing and proposed capital structure

(ii) Pattern of share holding in the paid-up capital (Amount in Rupees)

(Rs. in lakhs)

(US \$ Thousand)

- (a) Foreign holding _____
- (b) Non Resident Indian company / Individual holding _____
- (i) Repatriable _____

- (ii) Non-repatriable _____
- (c) Resident holding _____
- (d) Total (a+b(i+ii)+c equity) _____
- (e) (iii) External commercial Borrowing _____

Foreign Exchange Balance sheet

		1 st	2 nd	3 rd	4 th	5 th	Total 5 Yrs	\$
X.	Fob value of exports in first five years							
XI.	Foreign Exchange outgo on							
(i)	Import of machinery							
(ii)	Import of raw materials and components							
(iii)	Import of spares and consumables							
(iv)	Repatriation of dividends and profits to foreign collaborators							
(v)	Royalty							
(vi)	Lump sum know-how fee							
(vii)	Design and drawing fee							
(viii)	Payment of foreign technicians							
(ix)	Payment on training of Indian technicians abroad							
(x)	Commission on Export etc.							
(xi)	Foreign Travel							
(xii)	Amount of interest to be							

	paid on external commercial borrowing/deferred payment credit (specify details)								
(xiii)	Any other payments (specify details)								
	Total (i) to (xiii)								
	Net Foreign Exchange earnings in five years								

XII. REJECTS.

Generation of Rejects/Sub-standard goods of the finished _____

 (percentage of 5 yrs production)

XIII. SUB-CONTRACTING

a) Whether any of the required components are proposed to be sub-contracted to small scale and ancillary units. _____
 Yes No

XIV. EMPLOYMENT

(All figures in number)

	Existing	Proposed
	-----	-----
a) Supervisory	_____	_____
b) Non-supervisory	_____	_____

XV. NET FOREIGN EXCHANGE EARNING

Percentage
 Positive foreign Exchange earning in five year in terms of paragraph 16.4 of the policy _____

XVI. MARKETING

a) Whether marketing tie-up/Buy-back envisaged/finalized? (Attach documents, if any) _____
 Yes No

b) Destination of exports (in percentage) _____
 G. C. A. R. P. A.

XVII. OTHER INFORMATION

- i) Any special features of the project proposal which you want to highlight :.....
.....
.....
(please attach the project report, for new units) :.....
- ii) (a) Whether the applicant has been issued any industrial license or LOI/LOP under EOU SEZ/EPZ scheme if so, please give full particulars especially reference number, date of issue, items of manufacture and progress of implementation of each project. :.....
.....
.....
.....
.....
- (b) Whether the applicant has submitted any other application for LOI/LOP which is pending. If so, please give particulars like reference number, name under which application made, items of manufacture etc. :.....
.....
.....
.....
.....
- (iii) Whether the applicant or any of the partners/Directors who are also partners /Directors of another company or its associate concerns have been debarred from getting any License/Letter of Intent/ Letter of Permission under the Export and Import(Control)Act. 1947/ Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 or otherwise penalized. :.....
.....
.....
.....
.....

Place : _____

Signature of the Applicant

Date : _____

Name in Block Letters

Designation _____

Official Seal/Stamp

Full Official Address :

Full Residential Address :
.....

UNDERTAKING

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We will abide by any other condition which may be stipulated by the concerned Development Commissioner of Secretariat of Industrial Approvals (Deptt. of Industrial Policy and Promotion). I/We fully understand that any Permission Letter granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature of the Applicant :

Name in Block Letters :

Designation :

Official Address :

.....

Official Seal/Stamp

Residential Address: :

.....

.....

Place: _____

Date: _____